SEVĀ RATES AT ANANTHESHWAR TEMPLE - VIṬṬAL
सेवा शुल्क - अनंतेश्वर मंदिर (विट्ठल)

Contact: seva@chitrapurmath.in (**संपर्क : seva@chitrapurmath.in**)

Sevā ID	SEVĀ	Rates (INR)	सेवा	शुल्क (भारत में)
1	Aṣhṭottara bilvārchana	80	अष्टोत्तरबिल्वार्चन	८०
2	Aṣhṭottara dūrvārchana	80	अष्टोत्तरदूर्वार्चन	८०
3	Aṣhṭottara kuṅkumārchana	80	अष्टोत्तरकुंकुमार्चन	८०
4	Aṣhṭottara tulasī samarpaṇa	80	अष्टोत्तरतुलसीसमर्पण	८०
5	Bhandi (Pushpa Ratha) Seva: Can be offered on any day falling between Kārtika Shukla Dwādashī and Āṣhādha Shukla Dashamī *	25,000	भंडी (पुष्परथ) सेवा : कार्तिक शुक्ल द्वादशी एवं आषाढ़ शुक्ल दशमी के मध्यकाल में किसी भी दिन अर्पण की जा सकती है *	२५०००
6	Durgānamaskāra Saptashatī-pārāyaṇa-sahita	600	दुर्गानमस्कार (सप्तशतीपारायणसहित)	६००
7	Ekādasha Rudra	500	एकादशरुद्र	५००
8	Gaṇahoma (1 Coconut)	1,000	गणहोम (एक नारियल)	१०००
9	Garuḍa kavacha pārāyaṇa	160	गरुडकवचपारायण	१६०
10	Kāllyā uṇḍe	70	काल्ल्या उंडे (दही-पोहा)	७०
11	Pañchakadāya	70	पंचकदाय (पंजीरी)	७०
12	Pañchāmṛtābhiṣheka / Kṣhīrābhiṣheka	80	पंचामृताभिषेक /क्षीराभिषेक	८०
13	Prārthanā / Phalasamarpaṇa	60	प्रार्थना / फलसमर्पण	६०
14	Sahasra mṛtyuñjaya japa	150	सहस्रमृत्युंजयजप	१५०
15	Saptashatī pārāyaṇa	200	सप्तशतीपारायण	२००
16	Shani-stotra-pārāyaṇa	160	शनि-स्तोत्र-पारायण	१६०
17	Subrahmaṇya sahasranāma pārāyaṇa	160	सुब्रह्मण्य-सहस्रनामपारायण	१६०

*** The Bhaṇḍī (Puṣhpa Ratha)** was inaugurated at Shrīmat Anantheswhara Temple, Viṭṭal on the auspicious occasion of Shaṣhṭī Mahārathotsava 2021. The blessings of Lord Anantheswhara were sought and received through Prashna Mārga to commence Bhaṇḍī Sevā by Devotees thereafter. It was desired by H.H. Shrīmat Sadyojāt Shaṅkarāshram Swāmījī to commence the Bhaṇḍī Sevā soon after the inauguration.

The Sevā can be offered on any day falling between Kārtika Shukla Dwādashī and Āṣhādha Shukla Dashamī. Thus, in 2022, this Sevā can be performed on any day upto 9th June 2022 (Āṣhādha Shukla Dashamī) and after 8th Nov 2022 (Kartika Shukla Dwādashī), and so on.

The attendant rituals pertaining to the Bhaṇḍī Sevā are listed below:
1. Prārthanā/Saṅkalpa by the Yajamāna
2. Guru Gaṇapathi Pūjā
3. Puṇya Vachana
4. Bhaṇḍī Pūjā
5. Maṅgalāratī at Shrī Anantheshwara Sannidhi
6. Lord Anantheshwara will grace the Bhaṇḍī for Utsava
7. Bhaṇḍī Sevā thereafter (5 rounds in the inner parikrama)
8. Kṛshṇārpaṇa and Prasāda Vitaraṇa to the Yajamāna
9. Lord Anantheshwara will be taken back to Garbhagṛha
10. Āratī at the Sannidhi
11. Tīrtha Prasāda vitaraṇa
12. Santarpaṇa

* **भंडी (पुष्परथ)**: श्रीमत् अनंतेश्वर मंदिर (विट्ठल) में इसका उद्घाटन षष्ठी महोत्सव (२०२१) के पावन अवसर पर किया गया । उसके पश्चात् प्रश्न मार्ग द्वारा मंदिर के पदाधिकारियों ने अनंतेश्वर भगवान से भंडी सेवा को साधकों के लिये प्रारंभ करने के लिये भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु प्रार्थना की । परम पूज्य श्रीमत् सद्योजात शंकराश्रम स्वामीजी के आदेशानुसार षष्ठी महोत्सव में भंडी सेवा का शुभारंभ होने के पश्चात् अब यह सेवा साधकों के लिये शुरू हो गई है ।

यह सेवा कार्तिक शुक्ल द्वादशी एवं आषाढ़ शुक्ल दशमी के मध्यकाल में किसी भी दिन अर्पण की जा सकती है । अतः, इस वर्ष २०२२ में, भंडी सेवा ९ जून २०२२ (आषाढ़ शुक्ल दशमी) तक एवं ८ नवंबर (कार्तिक शुक्ल द्वादशी) के पश्चात् किसी भी दिन अर्पण की जा सकती है।

भंडी सेवा से संबंधित विधि - विधान निम्नलिखित हैं ....
१. यजमान द्वारा प्रार्थना / संकल्प
२. गुरु गणपति पूजा
३. पुण्य वाचन
४. भंडी पूजा
५. श्री अनंतेश्वर सन्निधि में मंगल आरती
६. भगवान श्री अनंतेश्वर का पालकी उत्सव
७. तत्पश्चात् भंडी सेवा (५ फेरों की आंतरिक परिक्रमा)
८. यजमानों द्वारा कृष्णार्पण तथा प्रसाद वितरण
९. गर्भगृह में भगवान श्री अनंतेश्वर की वापसी
१०. श्री सन्निधि में आरती
११. तीर्थ प्रसाद वितरण
१२. संतर्पण